

DPN 6231

Title: अहोरात्र यज्ञविधि AHORĀTRA YAJNA VIDHI

Run. No. 6922

Cat. No.

Micro. No.

Subject विधि / Ritual

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. / नेपालमा पनि निर्देशित /

newa direction.

Size in cms. 24 x 11

Folios 36

Lines (in a page) 23

पत्राङ्क यथा मतः ३५

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

no folio number written.

Author / translator

Scribe / donor

राजेन्द्र श्रेष्ठ Rajendra Shrestha

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus.:

Material: palmleaf / paper / thyasaphu / हलौक द्दिना ॥ १॥ महापुराण (पत्राङ्क नेपाली भाँ)

Condition: fine / damaged by worms, rats, water / yellow experimented thick nepalese paper.

Beginning, colophon, post-colophon:

↓
ॐ नमो ब्रह्मे नमः ॥ अहोरात्र यज्ञ विधि लिखितो ॥ गुरुकुल विधि पूजा वर्ग, यवोदक
माये ॥

समाप्ति (colophon)

इति ब्रह्मसूत्रम् यदा विद्यते : समाप्तः ।





ॐ नमो ब्रह्मणे नमः ॥ अक्षय
 कृति विधि लिखित ॥ द्रुथू द्रुथि य
 जावने यं वो दक्याय ॥ गतवृद्धकाव
 यं यजमानन ॥ अथ द्रुथू द्रुथ्या वि
 धिना ॥ ॥ अथ सति या विधि ॥ अ
 थादि यजमान यथैका जुनयातक ॥
 ॐ नमो नारायणाय ॥ यो सो की नाम
 मध्वै स्यति जलनिधौ नागययै
 शांग ॥ अथ स्याद ॥ ४ ॥ रुपा ॥ अथ
 मलि रति तवी श्रुत वा सवा ॥ १ ॥
 वक्राद्यै सुयसाने मिद ॥ अथ नियुक्त
 अथ इत्थं सोममन्त्रं देवैः सुलाक्ष्मीना
 थ ॥ कलिकलूषद्वय ॥ या उमाय
 द्रनारु ॥ सिद्धि वसु क्रिया नं स्या
 दि ॥ वाक्कलने अथादि सु स्यादि क
 ला न्यासादि अर्घ्या उयूजा ॥ अथ
 संयूजा ॥ ॐ हं उक्क कुरु कोलाय
 नमः ॥ ॐ यो नि न्ये नमः ॥ ॐ गण
 यतये नमः ॥ ॐ वट्टकाय नमः ॥
 ॐ सुक्कानकुरुया लायन ॥ ॐ अ
 ध्वो य ॥ ॐ जातवदस ॥ ॐ ग

लनां न्या ॥ ॐ गुम्बक ॥ ॐ ॐ माद्रु
 य ॥ ग ॥ ॥ यूर्वदकि वयि मातु न
 निवासवासिमासासिका कुरुसावट
 रुतदुर्जनिरुता हनमनाथाय चाम्भ
 मनेभ्य नमादिदव विभुस ॥ साकारि
 दायाय हानि हान नदमयी समावसु
 रवदा वल्लादि पूजादि रि ॥ अथ
 गन्धादि ॥ वलि वि सज्जन वलि क्का
 य ॥ कृपा मलयदुयक ॥
 अथ य अगवसाधन ॥ दधि निव
 ल्म मूर्तं यूर्वद ॥ अथ गामयै अर्च
 कृष्णदकं यव यूर्वदिक मतायथा ॥
 अथादि सु स्यादि कला न्यासादि अ
 र्घ्या उयूजा संयूजा ॥
 ॐ अथेताने ॥ वलि पुदार्न ॥
 ॐ तत्ताजामि ॥ ॐ देव सत्त्वा ॥ कुरु
 यज्जन ॥ यूर्वदधि ॥ उमायतिदवता
 येनमः ॥ ॐ दधिका कुरु ॥ ॥ दकि
 ल्म मूर्त ॥ वक्ति दवता येनमः ॥
 ॐ गमयती ॥ ॥ यन्नि मद्रुध ॥ सा
 मदवता येनमः ॥ अथाय ॥ ॥

ॐ ह्रस्वसिउमिनसिदिति नसिवि
 श्वधयाविश्वस्य सुवनस्यधरो। य
 धिवीॐ ह्रस्वसिउमिनसिदिति नसिवि
 मादि० सी॥ ॥ ॐ नमो नमो नमो
 यति॥ ॐ यस्वामेॐ मिव नमो
 स्यात्तमो नमो नमो नमो नमो
 नमो नमो नमो नमो नमो नमो
 कश्चिन्निष्ठात्वा सद्योत्पादधमि॥
 ॥ मलयालं रुने॥ ॐ वायवायादिवी
 तथ्युक्तानां रुद्रदातय। युवास्तस्य
 धनो अरिष्टीयं॥ वीहिकेयने॥
 ॐ वीहयग्राम॥ वाजाविक्रयने॥ ॐ
 त्वं विहृदा॥ यंचगचनहाय॥ ॐ
 यविॐ ह्रस्वसिउमिनसिदिति नसिवि
 सुमिप्रियान॥ यश्च सु० नमो वदय॥
 ॐ वक्रादली॥ मलयय० लिकानदि
 ने॥ स्वानमालरवायमलयस॥ ॐ नमो
 श्रुत॥ थ्यश्च यो नमि वगक्रियाद्व
 नतय॥ ॥ निवगक्रि कलसयूजाया
 यचलासन॥ न्यास० अद्यो नमो यूजा
 अमयूजा॥ अमनी॥ ॐ तत्त्वा जामि॥
 अमूके० ॥ ॐ दवस्यत्वा॥

कलसयूजा॥ ॐ ०० ममर्ग० नमो नमो॥
 कलसयूजा॥ ॐ वक्रयज्ञान॥ वक्रा
 नम॥ ॐ विष्णो नमो नमो॥ विष्णो
 वनम॥ ॐ नमो नमो नमो नमो॥
 कनायनमम॥ ॐ नमो नमो॥ नमो
 यो॥ ॐ यावकानसुवस्यती॥ ल
 क्ती॥ ॐ मदा नमो नमो नमो नमो
 चतयतिके नमो॥ धियाविश्वविना
 जति॥ समुदाय॥ आवाहनादि॥
 जय॥ ॐ नमो नमो नमो नमो नमो
 जलनेयुक्त॥ स्विकृतय नमो नमो
 रितयुष्माला॥ यश्च यूजा अरिष्टीय
 यमनिकि॥ पुस्तकात्तमो नमो नमो
 वगक्रियते नमामि॥
 निवगक्रि कलसयूजमानस्यं जान
 कं मलयय० यके॥ वाक्रा नमो नमो॥
 ॐ नमो नमो नमो नमो नमो नमो
 थयि॥ विष्णो नमो नमो नमो नमो
 सुमिवाक्या॥ स्वलि वाचने० ॥
 मलयय० वाकनहाय॥ यून० निवग
 क्रि कलसयूजा० उदकनयूनय॥
 आवाहनादि॥ धूयदीय नमो नमो॥
 जय॥ ॐ नमो नमो नमो नमो॥

ततोयुवका न समीपं गत्वा ॐ नमो
 नमो नमः ॥ गमयती म कुल निनीक
 ली ॥ न्यास ॥ अर्घ्या उ यज्ञा ॥
 युवका गाय वट वृकाय ॐ दमास
 न नमः ॥ ॐ तत्त्वतामि ॥ असनी ॥
 ॐ देवस्यत्वा ॥ अर्यु कर्ण ॥ ता न
 नमय ॥ ॐ चत्वा विष्ट ॥ गुमम
 लदा नाय ॥ ॐ द्वावा देवी ॥ यथ
 य ॥ ॐ जगत्पन्का ॥ वृकाय ॥ ॐ
 य वृ कषू सखि ॥ रुदाय ॥
 ॐ यु ॥ सु रुदाय ॥ ॐ ॐ दे
 विष्णु ॥ आवाहनादि ॥ धूप ॥ दीप ॥
 जय श्री ॥ महावीर्यमहाकाय उ
 दयर्नमदा निव । विटयाय रुने
 मादि सर्वदेवानमस्तुते ॥ अग
 न्धादि ॥

दक्षिण द्वा नय ॥ गमयती म कुल नि
 नीक ॥ दक्षिण द्वा नाय उ द्वा वट
 काय ॐ दमासनी ॥ ॐ तत्त्वतामि ॥
 असनी ॥ ॐ देवस्यत्वा ॥ अर्यु कर्ण ॥
 ता न नमय ॥ ॐ चत्वा विष्ट ॥ गुमम
 उदा द्वा नाय ॥ ॐ द्वावा देवी ॥

यथय ॥ ॐ जगत्पन्का ॥ वृका
 य ॥ ॐ य वृ कषू सखि ॥ रुदा ॥ च
 दाय ॥ ॐ ॐ वावती ॥ यव दाय
 नमः ॥ ॐ देवस्यत्वा ॥ अर्यु कर्ण ॥
 आवाहनादि ॥ धूप दीप जय श्री ॥
 महावीर्यमहाकाय रिना ॥ न
 समय ॥ तत्त्वतामि ॥ लिल नमा
 मि गन्धमानदी ॥ अग न्धादि ॥

यथिमदा नय ॥ गमयती म कुल नि
 नीक ॥ यथिमदा य अर्यु कर्ण वृका
 य ॐ दमासनी ॥ ॐ तत्त्वतामि ॥ अ
 सनी ॥ ॐ देवस्यत्वा ॥ अर्यु कर्ण ॥ ता
 न नमय ॥ ॐ चत्वा विष्ट ॥ गुमम
 नदा नाय ॥ ॐ द्वावा देवी ॥ यथय
 ॥ ॐ जगत्पन्का ॥ वृकाय ॥ ॐ य वृ
 कषू सखि ॥ रुदा ॥ धूप ॥ ॐ विष्णु
 ॥ विष्णु ॥ ॐ दिवा वा विष्णु ॥
 आवाहनादि ॥ धूप दीप जय श्री ॥
 महावीर्यमहाकाय सुवर्ण सदृश
 य ॥ तत्त्वतामि ॥ नो मि रुम द्वा
 मिना ॥ अग न्धादि ॥

उदा द्वा नय ॥ गमयती म कुल निनी

कर्ण ॥ उरुनद्यानाययनामवृका
 य०० दमासेन २ ॥ ॐ तत्सवामि ॥ अ
 सनी ॥ ॐ दवस्यत्वा ॥ अर्यकृर्ण ॥ त
 लेभय २ ॥ ॐ चत्वात्रिण्ण ॥ मुरु
 द्वायाय २ ॥ ॐ द्वायाय २ ॥ यथय
 २ ॥ ॐ उतयन्का ॥ वृकाय २ ॥ ॐ
 यवृकस्यस्यि ॥ जयाय २ ॥
 ॐ यतद्विष्णु ॥ विजयाय २ ॥ ॐ वि
 श्वानाटमसि ॥ श्वावदनादि ॥ धृ
 यदीय ॥ जयस्मारे ॥ महावीर्यमहा
 कार्य ॥ सुदुष्टिकर्मनिर्ण ॥ तद्व
 नस्त्रिर्ललेन ॥ हिमवन्तु ॥ अरुनी ॥
 अरुगन्धदि ॥

अथकृष्णलिकर्मव्यात ॥ पादूर्खधि
 त्वा ॥ यजमानयुयकाजने ॥ अथादि ॥
 स्याद्य ॥ गुर्वनमस्का ॥ न्यास ॥ अ
 र्ययाय ॥ असेयुजा ॥ वदना
 दि ॥ ॥ ॐ मादा ००० ॥ अनख
 गहन ॥ वामदक्षनिधाय ॥
 वलिपुदान ॥ ॐ गलनात्वा ॥ गल
 यतिवलि ॥ ॐ नमाव ॥ अय ॥ क

वदलि ॥ ॐ जातवदस ॥ इभवलि ॥
 ॐ छतैद्यतयावान ॥ दिगवलि ॥
 काकासकस ॥ अरुगन्धदि ॥
 ॐ त्वजविष्णुदा ॥ अयगीमर्कु ॥ कृ
 तिनीकृर्ण ॥ ॐ यद्वदाद ॥ ॐ मान
 साक ॥ ॐ त्वद्वरु ॥ ॐ तत्सवामि ॥
 अयगीमर्कु ॥ ॐ यद्विभनदकि
 (ददकि) (नउरु) (उरु) (नलमधु)
 अश्रयाय ॥ अश्रयाय ॥ अश्रयाय ॥
 दवता ॥ उरु ॥ अश्रयाय ॥ अश्रयाय ॥
 त्वजविष्णुदा ॥ ॐ अश्रयाय ॥ ॐ स
 दसस्यति ॥ ॐ वीरय ॥ ॐ द
 वस्यत्वा ॥ ॐ दिव ॥ अश्रयाय ॥ ॐ ता
 सविउ ॥ दिव ॥ अश्रयाय ॥ ॐ ता
 ॐ यश्रानि ॥ सुवर्णय ॥ निधाय ॥
 ॐ तत्सवामि ॥ छतासनी ॥ त्वजविष्
 दा ॥ अश्रयाय ॥ अश्रयाय ॥ ॐ दिव ॥
 अश्रयाय ॥ ॐ त्वद्वरु ॥ ॐ ००० ॥ अनास्वा ॥
 ॐ अतवस्के ॥ ॐ अश्रयाय ॥ ॐ
 रकादनी ॥ ॐ अश्रयाय ॥ ॐ अश्रयाय ॥
 दमर्जि ॥ अश्रयाय ॥ अश्रयाय ॥
 कर्ण ॥

स्वाय २॥ ॐ उदिव ॥ सुशानात्मनिकम्प
 लद ॥ रुस्ययि विद्याशुता नस्वामान्ता
 मिनाउ मितावन ॥ लोभुव लधम्मल
 वक्रवनि लाकुरु वनिनायस्थावनि
 ययूहमि वक्रद ॥ रुकुर्तुद ॥ रुय
 रु ॥ रुयजा ॥ रु ॥ रुयाय २॥ ॐ रु
 रु ॥ विरुयाय २॥ ॐ रु द विरु ॥
 रुसुदधजाय २॥ ॐ रुसाकमिदु ॥ वे
 जायनम ॥ ॐ विरु कम्मलि ॥ विपुल
 रुजाय २॥ ॐ रुदस्यग रुदिनसि ॥
 यजायतय २॥ ॐ रुदस्यग रुति ॥ की
 लियताकाय २॥ ॐ रुवर्मा ॥ रुविद
 वताय २॥ ॐ रुकयज्ञान ॥ रुतज्ञान
 य २॥ ॐ रुकनाजायकितव ॥ अ
 दाय २॥ ॐ रुनिमील ॥ सामाय २॥
 ॐ रुमन्देवा ॥ रुमनोय २॥ ॐ रुद
 रुद ॥ रुष्यमालोय २॥ ॐ रुपुष्य ॥
 धन ॥ रुनावतगजातूरु सुवर्णवर्ण
 किनाटिन ॥ रुसुनयननम ॥ रुवज
 यालि विरावये ॥ रुदायवकुदसा
 यरुनाधियतये रुनावतासनायधन
 पुष्यनम ॥ ॐ रुतातनमिदु ॥ रुवा
 रुनादि ॥ रुडाधिकुयनायनम ॥

ॐ रुधवाच ॥ रुलनयनिरुनली ॥
 ॐ रुयानप्रिय ॥ धूप ॥ ॐ रुवसि ॥ दीप ॥
 ॐ रुजासि ॥ रुल ॥ ॐ रुयारुलिनी ॥ न
 रुद्य ॥ ॐ रुनयत ॥ यतिष्ठा ॥ ॐ रुमना
 रुति ॥ रुयसा ॥ नमो रुतनचीना
 थ रुवधियसुवधन ॥ रुयगगति
 यायानु नकार्थसनिधीरव ॥ रुग
 गन्धदि ॥

दक्षिणदिगद्वातयुजन ॥ रुयजीमन्त
 लनिनाकली ॥ ॐ रुवाजामि ॥ रुसन ॥
 ॐ रुवस्यत्वा ॥ रुसुवर्ण ॥ रुतिष्ठा
 वल्लय २॥ ॐ रुवाविशुद्धा ॥ मा
 रुस्यवकाय २॥ ॐ रुमालकी ॥
 रुल्लोकाय २॥ ॐ रुमनस ॥ रुकाम ॥
 रुजद्युल्लवाय २॥ ॐ रुययामरु
 रुतीतासि ॥ रुवाय २॥ ॐ रुनाव
 रुती ॥ रुवदाय २॥ ॐ रुवदम ॥
 रुपुनीकधजाय २॥ ॐ रुसाक
 मीदु ॥ रुमदलुय २॥ ॐ रुसि
 रुमा ॥ रुदरुजाय २॥ ॐ रुदस्य
 रु ॥ रुदियताकाय २॥ ॐ रुद
 रुसा ॥ रुविदवाय २॥ ॐ रु
 रुमि ॥ रुताज्ञानय २॥

ॐ शुकनाजाय ॥ जडवेदाय ॥ ॐ
ॐ शुकनाजाय ॥ दुक्षय ॥ ॐ उद
धस्ता ॥ ॐ दस्येताय ॥ ॐ उद
स्यते ॥ पूषमालाय ॥ ॐ प्रीयते ॥
धन ॥ कर्ता मरिषा नृदं दण्ड
संरुयानकं ॥ कालयामधनं कार्दध
यर्कं दक्षिणधियं ॥ यमाय दण्ड
साययता धियतय मरिषा सनाय
धनयूषी नमः ॥ ॐ यमनदं ॥ श
वाहनादि ॥ रुतादि कुरुपा नोय ॥
ॐ नमा वकुसाय ॥ अनिवेता लाय ॥
ॐ शुकनाजाय ॥ ॐ अनयनिरुव
नं ॥ ॐ कयानलुग ॥ धूपदाप न
वय ॥ प्रतिष्ठा ॥ ॐ मनाहूति ॥ जप ॥
ता ॥ मरिषाय निशासीनं सर्वसा
ककयं कर्तुं ॥ कालयूयमदोषोद
दण्डया लिनमा मुते ॥ अगन्धदि ॥

यश्चिमदिग्दानयूजनं ॥ नमयतीम
कुं नानि नो कर्णं ॥ ॐ तस्माजामि ॥
आसनं ॥ ॐ दवस्यत्वा ॥ अयूक
र्णं ॥ निवृत्तिं न वलय ॥ ॐ च
त्वा निवृत्ति ॥ गुरुवाटकाय ॥

मनामि ॥ जनलोकाय ॥ ॐ अयना
अग्नि ॥ दधि तिमुखाय ॥ ॐ यतय
न्ध ॥ रुदाय ॥ ॐ विष्णु ॥ रुका सुत
दाय ॥ ॐ दिवावा विष्णु ॥ रुकवर्ण
जाय ॥ ॐ अम्मा कमिन्दु ॥ यामय ॥
ॐ वरुणस्यार्क ॥ कानि च्छाय ॥ ॐ
दुदस्येते कदि ॥ पुष्टवता काय ॥
ॐ अमुनमिमिन्दु ॥ अविदेवताय ॥
ॐ विष्णुवनाटमसि ॥ दायवदनाय ॥
ॐ शुकनाजाय ॥ ममददाय ॥ ॐ
अनशयादि ॥ पुकाय ॥ ॐ अना
त्यविष्णुता ॥ मनिष्ठायाय ॥ सनाद
वी ॥ पूषमालाय ॥ ॐ प्रीयते ॥
धन ॥ नागयामधनं दसं नलोय
युतिविग्रहं ॥ मम अक्षवर्णधायद
नृर्णमकनाननं ॥ वरुणययामद
साय ऊला धियतय मकना सनाय
धनयूषी नमः ॥ ॐ ॐ म अवन
ल ॥ शवाहनादि ॥ यतादि कुरुपा
लाय ॥ ॐ रुदानाम ॥ कालाक
पुवालाय ॥ ॐ पालयसाहा ॥
कुलनेयनिरुवर्ण ॥ ॐ कयानधि
य ॥ धूपदाप रुत नव्य प्रतिष्ठा ॥

ॐ मना हूति ॥ जयस्तु ॥ वा नूणी तु
वक्षसां मकरासने गमिनि ॥ सवा
लीका नमो ह्युपागम हर्षनमो मु
ते ॥ अंगनम् ॥

उल्लसदिकु दानयूजनं ॥ गयणी मकु
लानि नारीकली ॥ ॐ तत्त्वाजामि ॥ आस
नी ॥ ॐ दवस्यत्वा ॥ अष्टकली ॥ आ
नाम्न वक्षसाय ॥ ॐ चत्वाविंश
श्री ॥ वदमव काय ॥ ॐ यदवा
सा ॥ सत्यलो काय ॥ ॐ ता अस्मन् ॥
विदवमव काय ॥ ॐ उरार्णव ॥
कितय ॥ ॐ यतद्विष्णु ॥ दतय ॥
ॐ विष्णु वराट ॥ मुसुखधजाय
॥ ॐ अस्मा कमितु ॥ गदाय ॥
ॐ सुयन्त्रियाजीन्य ॥ आजच्छगाय
॥ ॐ वदस्यते कदि ॥ साधुयता
काय ॥ ॐ ॐ त्व आसा ॥ अष्टिद
वताय ॥ ॐ जातवदसे ॥ कलियु
गय ॥ ॐ अक्रवाजाय ॥ अथ व
ददाय ॥ ॐ सन्नायवी ॥ नाहव
॥ ॐ कयानलि ॥ कतव ॥

अष्टिद्वयन ॥ यष्टमालाय ॥ ॐ
गोपुत ॥ अष्टेन ॥ देव नमस्वमासीन
सगर्वं स्वविग्रहं ॥ स्वर्णकोर्यंगदा
हर्ष ॥ उल्लसदिकु दानयूजनं ॥ कूवना
यने कूले हस्तयुधना धियेतथ दया
सनाय अनेयुष्य नमः ॥ ॐ कूविद
अजवमन् ॥ आवाहनादि ॥
विष्णु वक्षसाय ॥ लाय ॥ ॐ दृतेष्ट
वावान ॥ ॐ कयादे कलया लाय ॥
ॐ नालया वा ॥ कूलेनय विस्तर
ली ॥ ॐ कयान लि ॥ धूय दीप रू
लेनेय ॥ यतिष्टा ॥ ॐ मना हूति ॥
जयस्तु ॥ ॐ कयान लि ॥ मदाकाय
अष्टिद्वयन ॥ नमो वक्षसाय ॥
सर्वविष्णु गदाहर्षनमो मुते ॥
अंगनम् ॥

अष्टिद्वयन ॥ गयणी मकु
लानि नारीकली ॥ ॐ तत्त्वाजामि ॥ आसनी ॥
ॐ दवस्यत्वा ॥ अष्टकली ॥ सिद्धिदा
काय ॥ ॐ अयना ॥ अष्टि ॥ अष्टिदा
य ॥ ॐ वदहमेत ॥ कूमुदधजाय ॥
ॐ अस्मा कमितु ॥ गकाय ॥ ॐ य

उवा ॥ ८॥ २॥ ॐ वृहस्पते ॥
 विजययताकाय २॥ ॐ ॐ नु आसा ॥
 अविदेवताय २॥ ॐ आ कृष्ण ॥ ध्यान ॥
 सकाच्चियधरविजानं अकमालाक
 मंजुलं। काचामालाकूलनकं चोग
 र्कं मकिधनकं ॥ अत्रयमकिह
 सोयनेजाधियतयका मसनाय
 नमः ॥ ॐ अग्निमू द्या ॥ आवाहनादि ॥
 पिबूना कककुरुयालाय २॥ ॐ अ
 म्बका ॥ कृ (म नय विस्तु वं ॥ ॐ कया
 नक्षि ॥ धूय ॥ दीया ॥ रुला ॥ नैवय ॥
 यतिष्ठा ॥ ॐ मनाहू ति ॥ जय स्तुत ॥
 अत्रयमजसासीनं महातेजस
 मयुर्न। नकमाल्याम्वेधनं मकि
 दस्तं नमा म्बदं ॥ अत्रयमम्बदि ॥

नैवयिदि कोलमयुर्जनं ॥ मयरा
 मकुलनिनीकली ॥ ॐ तत्त्वजामि ॥
 आसनं ॥ ॐ देवस्यत्वा ॥ अत्रय
 ली ॥ कीलिदावृकाय २॥ ॐ स्तु
 तिन ॐ न्यो ॥ वृद्धिदाय २॥ ॐ अ

कन्कर्मकर्मकृत ॥ वामनाकध जाय
 २॥ ॐ अस्माकमीन्दु ॥ रव आ य २ ॥
 ॐ जातवेदसे ॥ कूल छयाय २॥ ॐ वृ
 हस्पते ॥ धृ तियताकाय २॥ ॐ ॐ नु
 आसा ॥ अविदेवताय वक्रद अय २॥
 ॐ विरुके न ॥ ध्यान ॥ नक नरं म
 वावूरं ना लोत्यलदलयुर्न। कया
 नया लिनं मेडी विवर्नं नाक सन्धर्व ॥
 नैवयिदाय रव अहस्ताय नाक सोधिय
 तययतासनाय नमः ॥ ॐ यने देवि ॥
 आवाहनादि ॥ अग्निजिह्वा कय्याला
 य २॥ ॐ वृषदस्वामनूत ॥ कृ (म न
 यविस्तु वं ॥ ॐ कयानाक्षि ॥ धू
 य ॥ दीया ॥ रुला ॥ नैवय ॥ यतिष्ठा ॥
 ॐ मनाहू ति ॥ जय स्तुत ॥ नैव
 त्यादिनिनाथस्त्वं सवा वूरं महा
 वलं। नकमसिसेदायात् रव अया
 लिनमा मुते ॥ अत्रयमम्बदि ॥ ॥

वायवादि कोलमयुर्जनं ॥ मयरा
 मकुलनिनीकली ॥ ॐ तत्त्वजामि ॥
 आसनं ॥ ॐ देवस्यत्वा ॥ अत्रय

ली ॥ धृति वृत्ताय ॥ ॐ सतमिन्द्र ॥
 सिद्धिदाय ॥ ॐ आनारुद्रा ॥ सव
 नेत्रधजाय ॥ ॐ अस्माकमिन्द्र ॥
 धृजदस्त्राय ॥ ॐ वायवायाहि ॥
 नाध्वकृत्ताय ॥ ॐ वृहस्पतेश्वरि ॥
 हृदियताकाय ॥ ॐ ॐ न्युत्तु ॥
 अग्निदेवताय नमः ॥ ॐ सूर्य
 प्रसिद्धि ॥ ध्यान ॥ आशीन हवित क्राय
 विलासधजध्वनि ॥ यागस्तुत
 रूतानां हवितस्तुतमात्रिणी ॥ वाय
 वे धृजदस्त्राय जलधियतयमृग
 सनाय ॥ ॐ तव वायु वृहस्पते ॥
 आवाहनादि ॥ कालनृपकृत्ताय
 य ॥ ॐ हृते हृते नयावान ॥ कृष्ण
 नयविस्तृत्ता ॥ ॐ कयानमिन्द्र ॥
 धूप ॥ दीप ॥ रुद्र ॥ नैवद्य ॥ यतिष्ठा ॥
 ॐ मनाहृति ॥ जय स्त्रा ॥ वगिन
 ॐ मद्राजालं सर्वतु तदुताम्वरी
 मृगस नस्रसो राधु धृजदस्त्रेन
 मोक्षुते ॥ अरुगन्धदि ॥ ॥
 ॐ नानदिक कलसयुजन ॥

गययामकुलनिनीकली ॥ ॐ त
 त्वाजामि ॥ आसन ॥ ॐ देवस्यत्वा ॥
 अयुक्ली ॥ भाकदावृत्ताय ॥ ॐ
 स्वस्ति यन्कामनूचले ॥ यद्धिदाय ॥
 ॐ वृहस्पतयविदोयानेत्थन ॥ स
 यतिष्ठाधजाय ॥ ॐ अस्माकमिन्द्र ॥
 विमूलदस्त्राय ॥ ॐ हृम्वरी ॥ का
 लिच्छेताय ॥ ॐ वृहस्पतेश्वरि ॥
 सानयताकाय ॥ ॐ अस्तित्वा ॥ अ
 ग्निदेवतामद्राकालाय ॥ ॐ नील
 जवा ॥ ध्यान ॥ ॐ नमन वृषमात्रु
 विमूलवालयध्वनि ॥ म न चन्द्राव
 दातेश्वर चन्द्रमोविनि माचर्न ॥ ॐ
 ननायसेवस्तुताधियतय विमूले
 दस्त्राय वृषासनाय ॥ ॐ तमो न
 नी ॥ आवाहनादि ॥ श्रीमन्मृपकृत्ता
 यालायनमः ॥ ॐ अर्धवाच ॥ कृ
 लनेयविस्तृत्ता ॥ ॐ कयानमिन्द्र
 उ ॥ आवाहनादि ॥ धूप ॥ दीप ॥ रुद्र ॥
 नैवद्य ॥ यतिष्ठा ॥ ॐ मनाहृति ॥
 जय स्त्रा ॥ ॐ नमन सर्वतुतम
 वृषासनसमोक्षिती ॥ अलोका

धियर्तिर्गुरु, लया निनभा सु
त॥ अरुगन्धदि॥

अधुदिके लमयूजा॥ गयगीमकुल
निनीकली॥ ॐ तत्सो जामि॥ आसनं॥
ॐ देवस्यत्वा॥ अरु कली॥ द्रव्यधजा
यनम॥ ॐ अस्माकमिन्दु॥ चक्रहता
य२॥ ॐ सुयल्लया कृत्य॥ ध्वयकृता
य२॥ ॐ दृढस्य त॥ प्रियता काय२॥
ॐ तव वायु॥ अधिदेवतना गय२॥
ॐ नमामुसर्ध॥ ध्यान॥ अनन्ययु ॐ
नाकाक, रुणदगाय निवृत्त॥ विद्युदा
मयतीकोर्ग, कृष्णदृष्टेयूजयत॥
विष्णुवचक्रहताय अर्धधियतय कृ
ष्णसिनाय२॥ ॐ प्रिलियदा॥ आवा
रुनादि॥ मुकुतुन्दकृणया लाय२॥
ॐ अन्मा नूदाय॥ कृष्णनय त्रिस्तन
ली॥ ॐ कयानप्रित॥ आवाहनादि॥
धूप॥ दीप॥ रुल॥ नैवश॥ प्रगिष्टा॥
ॐ मनोहृति॥ जय, स्तुति॥ कृष्णया
भसनंदव विद्युत्पु अतमय ति॥ अ
ध्वरोगास्तिर्गविष्णु चक्रया निनभा

अरु॥ अरुगन्धदि॥

उद्धृदिके लसयूजने॥ गयगीमकु
लनिनीकली॥ ॐ तत्सो जामि॥ आसनं॥
ॐ देवस्यत्वा॥ अरु कली॥ द्रव्यधजा
जाय२॥ ॐ अस्माकमिन्दु॥ यद्गहता
य२॥ ॐ यद्गानिल॥ गलचक्रजाय२॥
ॐ दृढस्य तच्छुदि॥ यीतवल्क्यता काय
वायु नधियति देवताय२॥ ॐ तव वा
यु॥ ध्यान॥ यानेयीतं चतुर्वर्द्धि, वक्रा
लं चतुर्वाननं॥ दंसयान अविशालं
द॥ अरु कृष्णकमलुर्ल॥ वक्रलवय
हताय उद्धृधियतय दंससनाय२॥
ॐ वक्रलस्य त॥ आवाहनादि॥ मद्य
राखनकृणया लाय२॥ ॐ विग्नतश्च
कृ॥ कृष्णनय त्रिस्तनली॥ ॐ कयान
प्रित॥ धूप, दीप॥ रुल॥ नैवश॥ प्र
गिष्टा॥ ॐ मनोहृति॥ जयस्तुति॥
वक्रानेयीत नूयश्च, वक्रकानयना
यनं॥ पूरु कारवा वलीहृत्, उद्धा
धियनमो अरु॥ अरुगन्धदि॥ ॥
मर्जितस्य पू अरु यानिनी कलम

यूजा॥ भयगीमकुलनिवाकली॥
 ॐ तत्सामि॥ आसनी॥ ॐ दवस्यत्वा॥
 अस्तु कली॥ च्छगय२॥ ॐ वृहस्पते
 च्छेदि॥ यताकाय२॥ ॐ यत्तामसं
 मि॥ क्षन॥ विशुत्पु॥ अनिरुद्वि॥ नि
 वावानसमन्विता॥ दक्षकवियूलं वि
 युं॥ अस्तु नूर्यं विरावयम॥ अस्तु नाजा
 यनम॥ ॐ वसुधामो॥ आवाहना
 दि॥ धूय॥ दीय॥ रुल॥ नेवय॥ य
 तिष्ठा॥ जय॥ स्तु॥ क॥ क॥ द॥ कि॥ लं
 रुसं॥ वामरुसं॥ ववत्य॥ नालमया
 कृतिं नूर्यं॥ अस्तु नार्जनमाम्यदं॥ अ
 न्ग॥ न्मदि॥

यष्टिभारुवृणकलसयूजनी॥ भय
 गीमकुलनिवाकली॥ ॐ तत्सामि॥
 आसनी॥ ॐ दवस्यत्वा॥ श्री च्छगय
 नम॥ ॐ वृहस्पते॥ यताकाय२॥
 ॐ अस्ताकमिन्दु॥ क्षन॥ यद्रोय
 निस्त्रिंशद्वि॥ नालात्यवदवयली॥
 सिन्दुवयद्रुसं॥ का॥ नियोव
 वनसं॥ स्त्रि॥ श्रीमूरुयनम॥
 ॐ श्रीभुते॥ आवाहनादि॥ धूय॥

दीय॥ रुल॥ नेवय॥ यतिष्ठा॥ जय
 स्तु॥ म॥ क॥ ल॥ गि॥ स्त्रि॥ न॥ दि॥ वी॥ ला॥ क
 जयस्युजिता॥ सिन्दुलात्यनयालि
 स्त्रि॥ न॥ दि॥ वी॥ य॥ ल॥ मा॥ म्यदं॥ अ॥ न्ग॥ ग
 न्मदि॥

यष्टिभनदकि॥ ल॥ श्रीकलमयूजनी॥
 भयगीमकुलनिवाकली॥ ॐ तत्सामि॥
 आसनी॥ ॐ दवस्यत्वा॥ अस्तु क
 ली॥ ल॥ श्री च्छगयनम॥ ॐ वृहस्पते॥
 यताकाय२॥ ॐ वृहस्पते॥ अस्तु॥
 यद्रासनस्त्रिंशद्वि॥ गुडसु॥ टिकस
 निरु॥ अस्तु दय्यवदस्ता॥ धनध
 न्यवनयदा॥ ल॥ श्रीमूरुयनम॥ ॐ
 यामालरवी॥ आवाहनादि॥ धूय॥ दी
 य॥ रुल॥ नेवय॥ यतिष्ठा॥ जय॥ स्तु॥
 क॥ क॥ म॥ यी॥ भ॥ स॥ ना॥ सी॥ ना॥ रु॥ वा॥ न
 क॥ म॥ दा॥ य॥ म॥ य॥ द॥ य॥ ल॥ स॥ य॥ क॥
 ल॥ श्रीदवी॥ न॥ मा॥ म्यदं॥ अ॥ न्ग॥ ग॥ न्मदि॥

वायव्यनदकि॥ ल॥ श्रीकलमयूजनी॥
 भयगीमकुलनिवाकली॥ ॐ तत्सामि॥
 आसनी॥ ॐ दवस्यत्वा॥ अस्तु
 कली॥ च्छगयनम॥ ॐ वृहस्पते॥

श्रुति॥ यताकाय२॥ ॐ अस्माकमित्यु॥
ध्यान॥ कया लमाला रुने लं स्वप्ना
गकाय रुकुकी नकिर्त सवक म्मानि
की उया लं ययुजयत ॥ कउया लमू
रुयनम१॥ ॐ अथेतो नदी ॥ आवा
हनादि॥ धूय॥ दीय॥ रुल॥ नैवद्य॥
यतिष्ठा॥ जय॥ साउ॥ सय्यय हीयवा
तांगी कया ला बलि स विती । स्वर्ग रु
तक स्वर्गगी कउया लं नमा म्यदं ॥
श्रुग न्मदि॥

वायधनयू धंगलयतिकल गयूजा॥
मयगी मकुल निनी कली॥ ॐ तैत्वा
जामि॥ आसनी॥ ॐ दवस्यत्वा॥ अय
कली॥ छगी य२॥ ॐ ददस्यते कृति॥
यताकाय२॥ ॐ ॐ नु आसा॥ ध्यान॥
गजानन मेकदन्त यग्रना ल वृसायमी
वउकुजा स्वद रु अ ल पू के य वै म
धलिनी॥ नागय कीयती अ वि वि
नाजी नमा म्यदं॥ गलयति मूरुय२॥
ॐ आ हन ॐ नु॥ आवाहनादि॥
धूय॥ दीय॥ रुल॥ नैवद्य॥ यतिष्ठा॥
जय॥ साउ॥ सवकी य वि क रु वी स
व वि धि नि वा वनी । वि धे रु न ग ल

म अ मूवायू रं नमा म्यदं॥ श्रुग न्म
दि॥
ॐ नमस्यय धिम पुत्र कल गयूजनी॥
मयगी मकुल निनी कली॥ ॐ तैत्वा
जामि॥ आसनी॥ ॐ दवस्यत्वा॥ अय
कली॥ छगी य२॥ ॐ ददस्यते कृति॥
यताकाय२॥ ॐ अस्माकमित्यु॥ ध्यान॥
कूमा नू व द हा पि अ क पू रु क धा सि नी
सर्व म्माथ विरु व म्मा पु नू पु नमा म्य
दं॥ उ र्मू रु य२॥ ॐ उ म्म ये रु नी॥ धूय
दीय॥ रुल॥ नैवद्य॥ यतिष्ठा॥ जय॥ साउ॥
सुवर्ग व र्म स का र्म व रु का रु क न द्वयी
सर्व म्मा मु क्रिया रि की उ र्द व नमा म्मु
त॥ श्रुग न्मदि॥
निव ग कि क ल गयूजा॥ न्या र्म रु ला
अ र्घया उ यूजा॥ मयगी मकुल निनी क
ली॥ ॐ तैत्वा जामि॥ आसनी॥ ॐ दवस्य
त्वा॥ अय कली॥ ग नू ज स ना य२॥
ॐ सु य लु सि॥ य द्मा स ना य२॥ ॐ
यज्ञा नि वे॥ ध्यान॥ ना ना य न न ना
थ र्म सु व रु ग दा ध वी । ल अ स दि
त गी लु व ग नू ज पु नमा म्मु त॥
क म वा य गी स दि गा य न म १॥ २०॥

कमवादिमूलयिनमः॥ ॐ विष्णुना
 टमसि॥ शिवादिमूलयि॥ ॐ आशुता
 ॐ वृक्षयज्ञानं॥ ॐ विष्णुनाट॥ ॐ
 नमः॥ मरुवायच॥ ॐ दिव्यभगवत्॥
 ॐ यक्षनय॥ आवाहनादि॥ कुम्भन
 यविष्णुवर्न॥ ॐ सरस्वतीमीषा॥ ॐ अ
 रुमरुत॥ धूप॥ दीप॥ रुले॥ नेवय॥
 उतिष्ठा॥ जयस्तु॥ शिवम किस्वम
 पाय, सर्वलोकदितायच॥ त्वदी
 ययादयुष्माय, नमोऽस्तु विष्णुमूर्ति
 ने॥ अङ्गनम्भदि॥

आदित्यनवग्रहकलमपूजनं॥ म
 यणामकलनिरीक्षणं॥ ॐ तत्त्वाजा
 मि॥ आसर्न॥ ॐ देवस्यत्वा॥ अस्तु
 कर्ण॥ द्वावाचनं॥ ॐ द्वावादेवी॥ द्वा
 वलयश॥ चत्वारिंशत्॥ गलयतय
 २॥ ॐ आरुनन्द॥ इन्द्रियश॥ ॐ
 जातवेदस॥ आकाशय॥ ॐ उरु
 यिवत॥ वायव्यश॥ ॐ द्युतं द्युतपा
 वान॥ अष्टवक्रमानाय॥ ॐ आनी
 नियुक्ति॥ ध्यान॥ यथासनयद्रव

कन, यमगर्हसमद्विति॥ सफा न्यव
 थसंस्तु, द्विभुजस्यास्तदा नवि॥
 आदित्याय नमः॥ ॐ आरु ॥ १०॥
 आवाहनादि॥ कुम्भनयनिसुनर्ण॥
 ॐ कथानभि॥ धूप॥ दीप॥ नेवय॥
 उतिष्ठा॥ जयस्तु॥ कलिद्वयमसं
 जातः विष्णुसंस्कृतासुव॥ नकपय
 कनद्वन्द्वनीमिश्रादित्यमणुली॥ अ
 ण्गनम्भदि॥
 जागकसुपूजनं॥ ॐ तत्त्वाजामि॥ आस
 र्ण॥ ॐ देवस्यत्वा॥ अस्तु कर्ण॥ ध्यान॥
 सुद्वन्द्विकर्णकामं, वन्दयस्व ध्यानि
 ली॥ रुमसकविरुवाङ्ग, ध्यायन्तु
 उगधियं॥ अनन्तादिमूलयिनमः॥
 ॐ नमोऽस्तु सर्वस्य॥ आवाहनादि॥
 धूप॥ दीप॥ रुले॥ नेवय॥ उतिष्ठा॥
 जयस्तु॥ भुजभूमिचूजाय, नाना
 नतविरुवर्ण॥ विषद्वावावकीर्ण
 यत्तस्मै नमः॥ अङ्गनम्भदि॥

अङ्गनम्भदि॥ ॐ तत्त्वाजामि॥
 आसर्ण॥ ॐ देवस्यत्वा॥ अस्तु कर्ण॥

धन॥ यीतवर्ग महाकायं वीजं
युवधनं त्रिणी॥ इमं लंका नारा
युधनं धनं यतिपुत्रं॥ इमं वलं
महातंजं सर्वलंका नारायणं॥ नले
युधनं धनं यतिपुत्रं॥ इमं वलं
इ॥ उक्तं उक्तं नमः॥ उक्तं
शुक्लवदनं॥ उक्तं उक्तं॥ धूप॥
दीप॥ रुद्र॥ नैवद्य॥ प्रतिष्ठा॥ जप
॥ इमं नलावलायुक्तं मूढयुक्तं लंका
नारायणं॥ गदायुक्तं महायुक्तं युवमायिध
नायिधं॥ दिव्ययुक्तं यतिधनं॥ इमं
लंका लंका यतिधनं॥ नमो मयि युक्तं
दी॥ सर्वसमायुक्तं यतिधनं॥ अग
धनं॥
गालकायुक्तं॥ उक्तं लंकायुक्तं॥ अम
नं॥ उक्तं देवस्य लंका॥ अयुक्तं॥ धनं॥
यथायति युक्तं॥ देवी॥ नालात्यलद
लयुक्तं॥ सिद्धयुक्तं यतिधनं॥ कायि
यतिधनं॥ यथायति युक्तं॥ दे
वी॥ उक्तं युक्तं॥ नमः॥ अयुक्तं
यतिधनं॥ धनं॥ धनं॥ धनं॥ धनं॥
गालकायुक्तं॥ नमः॥ उक्तं॥

उक्तं मालका॥ अवाहनादि॥ धूप॥
दीप॥ रुद्र॥ नैवद्य॥ प्रतिष्ठा॥ जप
॥ युवमायि महादेवी॥ अमलं
लेदायिना॥ यतिधनं लंकायुक्तं
यतिधनं॥ देवी॥ देवी॥ देवी॥ देवी॥
वी॥ सर्वलंकायुक्तं॥ युवमा
यि महादेवी॥ लंकायुक्तं॥ देवी
यतिधनं॥ अगधनं॥
मूढयुक्तं लंकायुक्तं॥ नमः॥ अम
लंकायुक्तं॥ उक्तं लंकायुक्तं॥ अ
सनी॥ उक्तं देवस्य लंका॥ अयुक्तं॥
दी॥ नारायणं॥ उक्तं देवी॥ धनं॥
न॥ कूटयुक्तं॥ लंकायुक्तं॥ नमः॥
मधुगं॥ रुद्रयुक्तं लंकायुक्तं॥ मूढ
यतिधनं॥ देवी॥ देवी॥ देवी॥ देवी॥
तायुक्तं॥ नमः॥ उक्तं लंकायुक्तं॥
यतिधनं॥ उक्तं युवमायि॥ उक्तं
मूढयुक्तं॥ उक्तं लंकायुक्तं॥ उक्तं
अमलं॥ देवी॥ देवी॥ देवी॥ देवी॥
दी॥ धूप॥ दीप॥ रुद्र॥ नैवद्य॥
प्रतिष्ठा॥ जप॥ युवमायि॥ देवी॥
उक्तं देवी॥ देवी॥ देवी॥ देवी॥





रुनिमूखमकुण्डुनावि। अक्षुषि
याचववदारुययानिधरवा। नृत्तु
याजयतिसाकुनिसाकनरु॥ अ
उगन्धदि॥

यथादवानूकमनथलि लियूजा॥
अयगामनेलनिवाकनी॥ अंतत्वा
जामि॥ आसनी॥ अंदवस्यत्वा॥ अ
रुक्नी॥ दानायनम॥ अंदाभादे
वि॥ धमन॥ अक्षुषुटिकसंका
उवावनिचयापम॥ एकवकुवि
मावाकू॥ अक्षुवाइऊनादन॥ द
काक्षुयोनूवधरु॥ दवातूपतथा
यव॥ दवत्यायुषर्गकागंलम
कंसततऊस॥ अमूजअनदानी
रव॥ चऊचववचलुस॥ दकि
कुउऊटल॥ वामचवयनंमृ
कलेसंदयलनाली॥ यक्षकंवा
मूवाकूम॥ यद्रगृष्टिसमाख्यात
नीखगदोखमूचते॥ कंगवाय
आसहितायनम॥ नानायनायवा

नाम्नीसहितायनम॥ माधवाय
कानि सहितायनम॥ एगविन्दाय
क्रियासहितायनम॥ विष्णुवेसाकि
सहितायनम॥ मधूसुदनाय॥ ध
तीसहितायनम॥ निविकुमाय॥
कासहितायनम॥ वामनायवीति
सहितायनम॥ जीधवायवतीस
हितायनम॥ दृषीकमयमायाथे
सहितायनम॥ यद्रनाकायधीस
हितायनम॥ दामादनायमहिमास
सहितायनम॥ गीयनूषारुमाय
लक्ष्मीसहितायनम॥ अंदिवावा॥
अंमद्विष्णु॥ अंयतद्विष्णु॥ अंद
वमृता॥ अं०००द्विष्णु॥ अं०००नाव
ति॥ अं०००नियेदा॥ अं०००सहस्रमीवा॥
अं०००विष्णुलुका॥ अं०००अक्षु॥ सस्रुता॥
अं०००यद्रानिल॥ अं०००अक्षु॥ सस्रुता॥
अं०००विष्णुवराट॥ अं०००अक्षु॥ सस्रुता॥
अं०००जातवदसे॥ अं०००कालसिन्धु॥ अं०००
आदियुगवध॥ सस्रुता॥ अं०००अक्षु॥ सस्रुता॥
अं०००विष्णुसमायगृते॥ अं०००वदतियनाद
ददिवी॥ अं०००अक्षु॥ सस्रुता॥ अं०००अक्षु॥ सस्रुता॥
अं०००अक्षु॥ सस्रुता॥ अं०००अक्षु॥ सस्रुता॥

[illegible][illegible]

वाङ्मयदक्षिणश्रीमूलवः॥
 कृष्णवायुजने॥ उम्भलनमः॥ विष्णु
 वः॥ नूडायः॥ ॐ विष्णुवनाट॥
 श्रियः॥ लक्ष्मीः॥ वालनयः॥ ॐ
 धृतिः॥ ॐ धृतिः॥ उययकृत्मादाय
 अग्निदमक्रियाकृत्यात्॥
 ॐ सफरतः॥ अन्नामिवावृष्टय
 निद्याय॥ मक्तिरुक्ततासनः॥ ॐ
 स्तुत्यै॥ रुक्मवकु॥ उक्तालास्तुवै
 मि॥ सफवर्णरुक्मि॥ अवादि
 दक्षिणकवे॥ साहाय्यनीस्तितावा
 मे॥ अगच्छमन्त्रिकानके॥ विष्णुवा
 १॥ नयधमनयुष्यनमः॥ स्वाहा॥
 ॐ समिधः॥ अस्मादमसमिधमा
 दाय॥ ॐ तदवाप्ति॥ ३॥ नके॥ ॐ का
 नलसाहा॥ नके॥ ॐ पलितनिध
 य॥ धनहायक॥ ॐ सम्यक्वक्ति॥
 विस्वीर्यकृत्मा नवक्रान्त्यष्ट॥
 ॐ नमः॥ उजायतयसाहा॥ ३॥ एगसद॥
 महायादृतिमर्तुण॥
 ॐ गमास्यवतः॥ ॐ नूदस्यव
 जासि॥ वामरुक्मवन्धन॥

ॐ नूदयवकुहसायसूत्राधियतयः॥
 ततोपजायतिदवतामोनसं चित्तु
 आयनातवेदलाकपावोवने॥ ॐ
 मृगायनमः॥ ॐ श्रियश्चयनमः॥
 चतुष्पथयः॥ दवागमयः॥ दिप्त
 २॥ विदिप्तः॥ स्वमयः॥ मत्वायः॥
 यातालायः॥ ज्ञेयः॥ रुक्मिण्यः॥
 स्तुत्यायः॥ चतुर्मसः॥ यागान्वना
 यः॥ रुक्मिण्यः॥ अमविद्याः॥
 सवेष्टादवेष्टाः॥ वक्रलः॥ विष्णु
 वः॥ नूडायः॥ विष्णुवायनयः॥
 बधकायमृत्वायुडिक्मनमाद
 वर्यः॥ अयमेवनेतिलकृत्मादा
 य॥ दक्षिणस्वः॥ उययमर्तु॥ ॐ
 ॐ नूदयवकुहसायसूत्राधियतयः॥
 ततोपजायतिदवतामोनसं चित्तु
 आयनातवेदलाकपावोवने॥ ॐ
 मृगायनमः॥ ॐ श्रियश्चयनमः॥
 चतुष्पथयः॥ दवागमयः॥ दिप्त
 २॥ विदिप्तः॥ स्वमयः॥ मत्वायः॥
 यातालायः॥ ज्ञेयः॥ रुक्मिण्यः॥
 स्तुत्यायः॥ चतुर्मसः॥ यागान्वना
 यः॥ रुक्मिण्यः॥ अमविद्याः॥
 सवेष्टादवेष्टाः॥ वक्रलः॥ विष्णु
 वः॥ नूडायः॥ विष्णुवायनयः॥

चतारुति यूक्तं ॥ ॐ सफरं रत्न ॥
वाहिय उय ते यत्नी ॥ ॐ यत्नं वरु ॥
यवतिला कत दधि ३ मधु मधुना
कृतिल गीरुलु अतिवसु म मिध दय
अयमाला ॥ ॐ ॐ द ० हवि ॥ मय
गी अयेते ॥ ॥ अरु मानस्य ज्ञानक ॥
गलयति ३ अदि सर्वस्य ४ तिला कृति
दद्यात् ॥ चतारुति वियो धर्म तिला कृति
विय ॥ तिला कृति यूक्तं ॥ कले मय
तिष्ठ ॥ सखा कृति ॥

ॐ ॐ यत्नं रत्न ॥
पूर्वद्वारं याय स्वाहा ॥ मक्ति न वलय
स्वाहा ॥ कनि मव वृकाय स्वाहा ॥ उव
लोकाय स्वाहा ॥ पुत्र म मखाय स्वाहा ॥
अयाय स्वाहा ॥ विजयाय स्वाहा ॥ कृम
दधकाय स्वाहा ॥ वजाय स्वाहा ॥ वि
यूल कृताय स्वाहा ॥ कीर्तियता का
य स्वाहा ॥ अविदेवताय स्वाहा ॥ कृत
र मय स्वाहा ॥ मयदाय स्वाहा ॥
मामाय स्वाहा ॥ अक्षिनाय स्वाहा ॥
पूष्यमालाय स्वाहा ॥ ॐ ॐ दाय वेद
हलाय सूना वियनये न वावता

सनाय स्वाहा ॥ रूपादि कृया नाय स्वा
हा ॥ हनुके कृतयो वाय स्वाहा ॥
ॐ गता न मित्य ॥

यमयात ॥ दक्षिणदावाय स्वाहा ॥ रूति गो
नलय स्वाहा ॥ मा मलय कृयाय स्वाहा ॥ स्व
लोकाय स्वाहा ॥ अरु म मखाय स्वाहा ॥
वजाय स्वाहा ॥ पुत्र म मखाय स्वाहा ॥ पुत्र
लोकाय स्वाहा ॥ यमद दाय स्वाहा ॥
वृहत् कृताय स्वाहा ॥ निद्रियता काय
स्वाहा ॥ अविदेवताय स्वाहा ॥ कृताय
मय स्वाहा ॥ यरुवे दाय स्वाहा ॥ वृक्ष
य स्वाहा ॥ वृहत् सताय स्वाहा ॥ पूष्यमा
लाय स्वाहा ॥ यमाय द ० हलाय य
ता विये तय म दिवा सनाय स्वाहा ॥
रूपादि कृताय स्वाहा ॥ अविदेवता
लाय स्वाहा ॥ ॐ यत्नं देवी ॥

वदूययात आरुति ॥ यत्निमदा नाय स्वा
हा ॥ निद्रुति ता नलय स्वाहा ॥ सूर्या
वा वृकाय स्वाहा ॥ अरु लोकाय स्वाहा ॥
वृधिति मखाय स्वाहा ॥ रुद्राय स्वाहा ॥
सुरुद्राय स्वाहा ॥ शुक्र वल्गु धजाय
स्वाहा ॥ मा मय स्वाहा ॥ कानि क

जायसाहा॥ लघुपताकायसाहा॥
अधिदेवतायसाहा॥ दायनयुग्मय
साहा॥ सामयदोयसाहा॥ पुकोय
साहा॥ सनिधुनायसाहा॥ पूषमाला
यसाहा॥ वसुधाययामहसायउला
धियतयमकनामनायसाहा॥ पुना
दिऊपुपायायसाहा॥ कोलाऊऊ
तयावायसाहा॥ ॐ ह्रीं श्रीं वरू॥

कवलयातश्रुति॥ उलनदावाय
साहा॥ श्रुताश्रुतानभयसाहा॥ व
हमभयसाहा॥ सत्यलाका
यसाहा॥ वदवभरतायसाहा॥ कि
तयसाहा॥ धनयसाहा॥ सुमुखध
जायसाहा॥ गदायसाहा॥ जाऊऊगा
यसाहा॥ साधयताकायसाहा॥ अ
धिदेवतायसाहा॥ कलियुग्मयसा
हा॥ अथवेवेदायसाहा॥ नारुवे
साहा॥ कतवेसाहा॥ पूषमाला
यसाहा॥ कवेवायनकुलहसा
यधनाधियतयदयामनायसा
हा॥ विभवऊपुपायायसाहा॥ न
कयादऊपुपायायसाहा॥ ॐ कृति
दमैऊवमका॥

श्रुतियात॥ सिद्धिदावृकायसाहा॥ सिद्धि
दायसाहा॥ वसुधयजायसाहा॥ गक
यसाहा॥ चणयसाहा॥ विजययताका
यसाहा॥ अधिदेवतायसाहा॥ अथय
गकिहसायतजाधियतयसाहा॥ स
नायसाहा॥ विपुनानककयवाला
यसाहा॥ ॐ श्रुतिश्रुति॥

नेजययात॥ कालिदेवतायसाहा॥
वृद्धिदायसाहा॥ वामनाकधजाय
साहा॥ खभयसाहा॥ कुलहजाय
साहा॥ धृतिपताकायसाहा॥ अधि
देवतायसाहा॥ नैजययरेभहसा
यनाकसाधियतययतासनायसाहा॥
श्रुतिजिह्वाऊपुपायायसाहा॥ ॐ
यनदेवी॥

वायुवायात॥ धृतिवृकायसाहा॥
सिद्धिदायसाहा॥ सर्वभूतधजायसा
हा॥ धजहसायसाहा॥ नाथऊगाय
साहा॥ ददियताकायसाहा॥ अधिदे
वतायसाहा॥ वायवधेऊहसायय
भधियतयमनासनायसाहा॥ का
लेनूयऊपुपायायसाहा॥ ॐ नववा
य॥
ॐ नभनयात॥ माकदावृकायसाहा॥

पृष्टिदायस्वाहा॥सूयगिष्ठाधजाय
स्वाहा॥विश्वरूपायस्वाहा॥का
किं चैवायस्वाहा॥सावयताकायस्वा
हा॥अभिदेवतायमहाकलायस्वा
हा॥ॐ नमोनायस वृत्तिताधियताय
विश्वरूपायवृत्तायसनायस्वाहा॥
सीमनूयकृत्वालायस्वाहा॥ॐ
तमीभर्तृ॥

अध्यात॥दुर्धधजायस्वाहा॥चक्र
रूपायस्वाहा॥धयचक्रायस्वाहा॥
वियताकायस्वाहा॥अभिदेवतायना
मयस्वाहा॥विष्णुवचक्ररूपायअ
धियतायकृत्वालायस्वाहा॥ॐ
कद्रुं कृत्वालायस्वाहा॥ॐ त्रिनि
पदा॥

उच्यते॥कृत्वालायस्वाहा॥मल
कृत्वालायस्वाहा॥पीतवर्णायस्वा
हा॥वायुवधियतायस्वाहा॥व
क्रुं वक्ररूपायकुड्याधियतायदंसा
सनायस्वाहा॥मयराववक्रमुपा
यस्वाहा॥ॐ वक्रलस्यते॥

यागिनीकलम॥यानिन्धस्वाहा॥श्रु
द्वजायस्वाहा॥ॐ वसुधैव
कुम्भमया॥वियस्वाहा॥ॐ श्री
युगलम्॥
लक्ष्मीकलमया॥लक्ष्मीस्वाहा॥ॐ
श्रीमालम्॥
कृत्वाला॥कृत्वालायस्वाहा॥ॐ श्रु
धितानुष्ठी॥॥गलम॥गलपतेयस्वा
हा॥ॐ श्रुत्वाला॥॥उच्यते॥
उच्यते॥ॐ वक्रयकान्॥
निवर्तयते॥गलपतेयस्वा
हा॥यन्नासनायस्वाहा॥निवायस्वा
हा॥मकयस्वाहा॥ॐ विष्णुवचक्र॥
ॐ श्रीयुगलम्॥
श्रादिष्टकलमया॥श्रादिष्टकलमयास्वाहा॥
गलपतेयस्वाहा॥इति श्रुत्वाहा॥श्रा
काभयस्वाहा॥वायवस्वाहा॥श्रु
द्वजनायस्वाहा॥श्रादिष्टकलमयास्वाहा॥
ॐ श्रीयुगलम्॥श्रुत्वालायस्वाहा॥
वतायस्वाहा॥ॐ श्रुत्वाला॥
नागय॥नागयस्वाहा॥ॐ नमो
सर्वभूते॥यक्रयक्रय॥यक्रय
स्वाहा॥ॐ श्रुत्वालावर्द्धन॥य

क० स्वरु० ॥ ॐ युनायक ॥ श्रीलक्ष्मी
 या ॥ निर्येस्वरु० ॥ लक्ष्मीस्वरु० ॥ ॐ श्री
 यं ॥ ॐ श्रीमाल ॥ मृत्पुष्पयया ॥ मृ
 त्पुष्पययास्वरु० ॥ मृताम्बुनायस्वरु० ॥
 मरुलक्ष्मीगङ्गासदितायस्वरु० ॥ ॐ
 नमः ॥ मृगवाय ॥ मयलिङ्गा ॥ म
 मयलिङ्गायस्वरु० ॥ ॐ मित्रानामासि ॥
 मृगवल्कामादि ॥ धातुल्लयधदव
 स्थानुकेमेन ॥ सुयानाग ॥ ॐ श्री
 वे ॥ मृत्पुष्पयया ॥ समस्तकलेभयार्तक
 जाय ॥ ॐ श्रीजिष्णु ॥ यक्षवलि ॥ स
 न ॥ मन्त्र ॥ मन्त्र ॥ कोमानि ॥ कलेभ
 उत्तिष्ठारुकांयातसूलनधिय ॥
 ॐ मन्त्रास्तुतिस्तुतिस्तुति ॥ शुवानधिय ॥
 सस्वरु० ॥ तिष्ठयदाना ॥ ॐ श्री
 स्वरु० ॥ दम्भयानन ॥

ततोयधकर्म ॥ दत्तलसायमूलद्रा
 वस ॥ निम्बकनादि ॥ लोकोयचोवैक
 स्वरु० ॥ लासालक्ष्य ॥ अग्निमणुनवि
 स्तानयायवैकलित ॥ चवकिचाया
 वेदवतय ॥ कलेभ ॥ मन्त्र ॥ ॐ ॥

कलेभयूजा ॥ न्यास ॥ अर्घ्ययज्ञयूजा ॥
 ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं ॥ ॐ दवस्यत्वा ॥ पूर्व ॥

नक्तवर्तुनागनाजायनमः ॥ मङ्गाय
 २ ॥ ॐ समुद्रयष्टागलिलस्यमध्ययुन
 नायकितमोषमाना ॥ ॐ श्रीयावकीट
 मृगवाजतश्यादवाविहमारुवन्तु ॥
 दक्षिणवर्तुनागनायनमः ॥ यम
 नायनमः ॥ ॐ समुद्रायत्वा ॥
 यष्टिमेषवर्तुनागनाजायनमः ॥
 नम्रदायनमः ॥ ॐ समुद्राद्रिम् ॥
 उरुनेयीतवर्तुनागनाजायनमः ॥
 सनेस्वरु० नमः ॥ ॐ समुद्राद्रिदय
 मेषवर्तु ॥ सस्वरु० विष्णुविष्णुनूताय ॥
 यक्षस्यत्वायक्षयोरुकोकोनमा
 वाके विधेमयत्वा ॥ ॐ श्रीजिष्णु
 कलेभम ॥ ॐ मन्त्रयूजा ॥ ॐ यथा
 मन्त्र ॥ मन्त्र ॥ मन्त्र ॥ मन्त्र ॥ मन्त्र ॥
 मन्त्र ॥ मन्त्र ॥ मन्त्र ॥ मन्त्र ॥ मन्त्र ॥
 ततोदवा ॥ मुनिम्बकन ॥ मतर्
 ताउवा ॥ मणुनस्वरु० यज्ञमाने
 न ॥ सुक्कालिमिनेत्वाय ॥ सुक्क
 य ॥ ॐ काञ्चलाय ॥ विष्णु ॥ ॐ दी
 दायत्वा ॥ क ॥ ॐ ॥

विविधक॥ ॐ तच्चक्रद्वय॥ चन्द्रना
 दिसउलम्भाभाविदि॥ सरुश्रवति
 ॐ मनाहूतिउतिष्ठा॥ देवकापन
 नपाय॥ ॐ उतिष्ठवक्त्रलस्यत॥
 दवविस्त्रुन॥ लासालावयने॥
 वाक्त्रलनस्रस्त्रिवाचनैय॥ ०७॥
 नैवाद्यदावनदेवयस्त्रुमलुयय
 ने॥ धलिलस्यलनरुलस्यय
 य॥ ०॥ ॐ ॐ दीविष्णु॥ रुडया
 ० निक्षय॥ निडोयातश्रुतिवि
 यवाहतिन॥ ०॥ ॐ वायवीर्वा
 यवाभ्याप्रातिमननदानकलम
 म॥ ०॥ श्रीरामस्त्रुलस्रुगल्ला
 रिष्ठालीनाप्राति॥
 यच्छस्रुकेकानेवयावद्वय॥ चित
 लेनेसाधन॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 वस्त्रुयस्त्रुन॥ पादस॥
 ॐ उव॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 टमरि॥ नारिस॥
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 यच॥ सिनस॥ मूचनसदपाद
 ननिवट॥ निवनेयातट॥ साध
 न॥ श्रुतिविय॥ मूलमकुन

धियक॥ ॥ ततादवदमक्रिया॥
 ॐ ॐ स्वाहा॥ ॐ कउयजानिमिक
 उयनारिनसि॥ मात्वादि० सीन्मा
 दि० सीस्वाहा॥ यानिकल्पने॥
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 नाश्रुवनेनस्यतीना॥ गकुविष्ण
 स्रुततस्या॥ गकुश्रुपामसिस्वाहा॥
 गकुधिन॥ ॥ ॐ उव॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 दा॥ गामेभोनयने॥
 ॐ तस्रुविउस्वाहा॥ ॐ पात्त्रयस्त्रु
 हापानायस्वाहा॥ दानायस्वाहा॥ चक्र
 कृत्वाहा॥ प्रजयस्वाहा॥ चक्राहा॥ मन
 सस्वाहा॥ जातकम्प॥ निवृत्तावन
 काय॥ दवद्वय॥ निडाकलसा
 रिशर्क॥ ॐ दीवस्यत्वा॥
 यथादवस्यजीवन्त्यासे॥
 दवशाद्वनेयच्छ्रुतिविय॥
 ॐ गमनात्वा॥ ॐ जातवदस॥
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 ॐ नमावसुभय॥
 श्रुति॥ ०॥ ॐ पुनाकुनस्य

विष्णुविष्णुदादायटथिवीश्व
दानुमाजानेनयंचदमसिखधकिष्ठा
साधुनेदिअथउन्ना। अकैमीनासोद
यद्विषतावधमिस्त्राहा॥
मनीहूतियतिष्ठा॥ ॥ ॐ वनेध्रंस्त्रा
हा॥ ॐ उक्कयहाने॥ निष्कुमने॥
ॐ रुद्रदेवस्त्राहा॥ ॐ कायस्त्राहा
कसेस्त्राहा कतमसेस्त्राहा धिमाधा
तायस्त्राहामनःपुत्रायस्त्राहा
चिरं विष्ठातायादिधेमधेस्त्राहा
दिधेममृजीकायस्त्राहा सनस्त्राहा
स्त्राहा सनस्त्राहा पावकायस्त्राहा स
नस्त्राहा वरुणस्त्राहा यूपस्त्राहा यूप
यूपयथायस्त्राहा यूपस्त्राहा नवेन्धिवा
यस्त्राहा लक्ष्मस्त्राहा लक्ष्म उनीपाय
स्त्राहा लक्ष्मयूपयस्त्राहा विष्णु
स्त्राहा विष्णुवनिष्ठपायस्त्राहा वि
वामिपि विष्ठायास्त्राहा॥ नामकव
ने॥ लुङाहा मृउलि०० चाविया॥
ॐ स्थधीमदिस्त्राहा॥ ॐ या००
लिनी॥ रुद्रयासने॥ सिसाव
साध्याय॥

ॐ धियाजानस्त्राहा॥ ॐ अन्नया॥
॥ अन्नयासने॥ चवकाय॥
ॐ युवादायास्त्राहा॥ ॐ मृद्वानदि
वाअवतिटथिवीश्वमननमृतराजा
तमन्निमाकवि० सप्ताजमतिथि०
नानामासप्तापाउज नयक देवा०॥
चूजकने०॥ लुक्कनडाहा रवाववा॥
ॐ तस्त्राहा॥ ॐ रुद्रक०॥ रुद्रि०
गुलूयामदेवा रुद्रय०॥ मारुकिर्य
उजा०॥ स्त्रिनेनमृमुवा० सस्त्राहा
यस्त्राहा महिदेवदिनेयदाय॥ कर्मा
रुद्र॥ लुक्कनडाहा मृलू चकुरुनि॥
ॐ वनेध्रंस्त्राहा॥ ॐ उक्कयहाने॥ वत
वन्धने॥ मयजीपुदाने॥ ॐ विष्णु
नूपाय विष्णु नानायमयधीमदि
तन्नाश्चरुयुवादायात॥ जानाश्चय॥
ॐ रुद्रदेवस्त्राहा॥ ॐ वतन
दीका॥ दीकापुदाने॥ मूलमकु॥
ॐ स्थधीमदिस्त्राहा॥ ॐ अद्वा०॥
समावरुने॥ सतहिदिकानका
रवायके॥ ॐ धियाजानस्त्राहा॥ ॐ
युम्वकैयजामरु॥ विवाहा॥ वध
वनक्यके॥

ॐ यत्र दया तत्तादा ॥ ॐ का अत्का
 अत्यनादिकि ॥ उमनजाया ॥ सिध
 वनहा ने ॥ ॥ यथा दवस्य मूलनश्र
 इति ॥ ॐ ॥ दवयू ॥ ॐ यू ॥ दि
 वि ॥ ॥ धिलहा ले ॥ ॐ अयादि वा
 नादक ल्य वाक् ॥ स्वि वा रु व रु दैव
 त्वं दवानो मधि धारु मा या व च्छु डा
 को मे दि या ता व लो न स्वि वा रु वा
 नि विष्णु क्रियते ना चि स दा क ल्या न
 स रू व ॥ आयू पृष्ठि क न निर्ण सदा
 स्वस्ति नृ ल्प कृ त्वा न च मा नी च इ दि
 क् न न शी ग म न ल्प रु व त ॥ वा द्भु रु य
 च सी त श्च य न च रु रु य स दा ॥ ॐ रु
 उ म्भ रु व ला नी य न रु च लि वा न ति ॥
 य उ मा न स्या ॥ या व च्छु डा क् मे दि या
 ता व त्वं च स्वि वा रु वा ॥ ॐ स्वि वा रु
 व विष्णु ग श्च रु व वा रु ध म ॥ य
 थ रु व रु व द स्वि मे भू य नी य वी रु
 न ॥ ॐ श्री रु उ ॥ स्वि वा रु ति ॥ ॐ ॥
 ॐ स्वि वा रु व विष्णु ग ॥ म न रु ति य
 ति ॥ ॥ द व यू जा मा न का द्वा द स व द
 न ॥ वा द्भु ल यू जा ॥ क म्भ व लि या त श्च
 इ ति ॥ ॥ द म्भ व लि या त श्च इ ति ॥

ॐ ॥ ॐ अस्मिन् ॥
 य उ मा न स्या व न ॥ य च ग व न हा य ॥ ॐ
 वा च नृ मु न्म मि ॥ ॐ व वि उ ॥
 ध न म्भु नि स क ल्य ध म्भु द न क ॥
 ध न म्भु नि य ति ॥ अ इ ति ॥ ॐ दी र्घा
 यू वा ॥ ॐ म न रु ति य ति ॥ ध न म्भु
 नि स क ल्य ग व न हा य ॥
 म्भु ल वि स र्ज न ना सि य ॥
 वा जा द म्भु य उ मा न वा द्भु ल या त श्च
 इ ति वि य ॥
 म्भु ल क ॥ ॐ श्री ॥ म्भु ल ॥ पृष्ठि क ॥ ॐ
 य म्भु क ॥ ॥ य व ध न्या दि ॥ य य स
 अ द्भु रु न म्भु रु रु या त ॥ वा द्भु ल रु
 न स क ल्य ॥ दि म्भु ने ॥ दृ त दी य
 वृ लिका ॥ म्भु ल क न रु व त ॥
 ॐ श्री ॥ म्भु ल ॥ ॐ अ न रु र्ज य ॥ ॐ ॥
 ॐ ल्वं नी ॥ इ रु ॥ ॐ रु ल्व नी रु ॥
 ॐ अ य धा ॥ ॐ अ न रु र्ज ॥ ॐ उ
 इ रु मे ॥ ॐ या दि ना अ न रु र्ज
 वा दि ना वि रु व द स रु हा ॥ य रु पा
 दि वि रु व स रु हा ॥ स रु म्भु दि स रु
 क म्भु रु हा ॥ न रु प रु हा ॥ नू ना

तिरिकुंरु हामिस्त्राहा ॥ अतिरिकुंरु
 हामिस्त्राहा ॥ अनाकृतं चनाकृतं त
 लुक् कियते ममस्त्राहा ॥ वेष्मनना
 यविप्रदं अने चितोयधामदि तने
 वक्रिः ४ येचादयात ॥ ॥ ॐ देवदुत
 स्येनसावयज नमसि म नूयुहतास्ये
 नसावयज नमसि पितृहतास्येन
 सावयज नमसि आत्महतास्येनसा
 वयज नमसि स्येन सप नसावय
 ज नमसि ॥ यच्चाहमनो विद्वान्
 कावयच्चाविद्वान् सस्यसर्वस्येन
 सावयज नमसि ॥ ॐ सुस्तिनः
 दुः ॥ ॐ ययः ४ धिया ॥ ॐ वि
 श्वानरट ॥ ॐ अतिदेवता ॥ ॐ
 ओः ४ ममि ॥ ॥ वाक्कणदन्तिह
 दाने ॥ वाचने ॥ वलिरुलने ॥ द
 गवलिपुष्पाययने ॥ ॐ कामका
 मधुय ॥ संप्रवयामेनी ॥ ॐ ममि
 शियोन ॥ ॥ पूष्किकानये ॥
 यजमानस्य यथाकायसिद्धयहे
 तिब्रह्मनाय यरु अथिवाहन
 पुष्कडि तिब्रह्मदुर्लभम् ॥

ॐ पूष्कदिविवायतसूक्ष्मपूष्क
 नायता वरुनविभीषवदा वरुषमूक
 ० मतकगोत्राहा ॥ असीमायथेन
 ॐ आयाय ॥ यथा देवस्यमृति ॥
 आमी वदि ४ ॥ ॐ अतिर्ज वि ॥ अति
 या ॥ ॐ यस्यदू मी नरु ॥ आचायया ॥
 ॐ स वदि नका ० रुविषाद्यनसमा
 दिसे वसुकि ४ सम्मनू डि ४ समिधायि
 यदे वदि नकादिनसगच्छुय
 स्त्राहा ॥ ॥ ॐ मम इय ॥
 ॐ तनूपाः अमि सि ॥ ॐ ममदेवा
 सविताममदेवा सवस्वती आदयातु
 ममवविनीदवा अवेत्तापूष्कनय
 जी ॥ अ अस्त्र ॥ ॥ ॐ ममदेवायाय
 ता ॥ वाग जग चेश ॥ अमय ॥ मव
 लिरुलुतयले ॥
 ॐ आयुषं ॥ ॥ यजमानादिसम
 रुयातेश्वरिषक ॥ अयथाजदक
 ने ॥ चदनोदि आमी वदि ४ ॥ न्यास
 लिकाय ॥ साक्षिथयदिनया ॥ ॐ
 तिदिनपूष्क ॥ यरु स्त्राहा ॥ ॥
 ॥ ॥ नाशियाशियावल्याचन ॥ ॥
 ॥ ॥

四

20

15

10

0.ans.

१ मूलिकलेमदेवयाता॥
१ यमकलेमसमन॥ वरुणकलेम
ताथ॥ योगिनीकलेमी० स॥ क्य
०० हृदवता॥ उडुकेलेमडाहित॥
०० उकेलेममाजायात॥ उिका नञ्
चार्य॥ धृजकासि॥ निवेमकियज
मानयात॥ मालकाश्रवितमाल
काय॥ यूजचिदयाय॥ साखिधये॥
०० तिरुक्षानावयरू विधि४ समाप्ता॥
यूजयिरू निवत्रटयाययासहाप्र
यायमाले कलुयाउलवसागस॥
दवदसायेतिवादानदनेसकिलम
दिवलिमालकावाप्ततय॥ विधि८थ
यरूयाय॥ धूनकावथमिसकयमि
लकलुसकायावताकयूयकेशनी॥
ककलयूजायायमालूनाययूजा॥



2.0

1.5

1.0

0.5

0 cms.

5

10

15

20

25



